

تعلیم کے ساتھ بچوں کی کردار سازی بھی ضروری

بہار اسٹیٹ مدرسہ ایجوکیشن بورڈ کے زیر اہتمام ایک روزہ ورکشاپ سے مقررین کا خطاب

ضرورت ہے اس موقع سے بہار چیئر مین عبدالقیوم نے کہا کہ اس ورکشاپ کا مقصد بھی یہی ہے کہ کیسے مدارس کے نظام میں سدھار آئے اور مدارس کے اساتذہ اور بچے کی معیار تعلیم کو بلند اور مضبوط کرنا ہمارا یوں تریجات میں شامل ہے اور نامہ نگاروں کے سوال کے جواب دیتے ہوئے کہا کہ بہار ملحقہ مدارس میں جو کمیٹیوں کے جھگڑے چل رہے ہیں ایسے تمام تنازعات والے مدارس کے تنازعات کو ختم کرنے کے لیے دفعہ 29 اور 30 کے تحت مدارس کو ٹرسٹ رجسٹریشن یا سوسائٹی کے تحت رجسٹر ڈ کرنے کا حکم دیا گیا ہے تمام تنازعات کو تین ماہ کے اندر ختم کر کے مدارس میں تعلیمی نظام کو بہتر کرنے کی ہدایت دی گئی۔

اسی مسائل کو سننے کیلئے ہم اضلاع کا دورہ کر رہے ہیں۔ اس موقع سے بڑی تعداد میں مدارس اساتذہ شامل ہوئے اور مہمانان ماہرین تعلیم کی باتوں کو بغور سماعت کئے۔



کیسے مربوط کیا جائے اس پر تفصیلی روشنی ڈالی۔ ماہرین تعلیم مہمانان نے کہا کہ اس کے لیے سبھی کا تعاون ضروری ہے۔ ان لوگوں نے کہا کہ آخر 8 ویں اور دسویں جماعت کے بعد زیادہ تر مسلم بچے ڈروپ آئی وٹ کیسے ہو جاتے ہیں۔ اس پر غور کرنے اور لائحہ عمل تیار کرنے کی ضرورت ہے۔ ہمیں اپنے مدارس کے اساتذہ کی تربیت سازی کے ساتھ نصاب تعلیم اور بچوں کی کردار سازی پر توجہ دینے کی

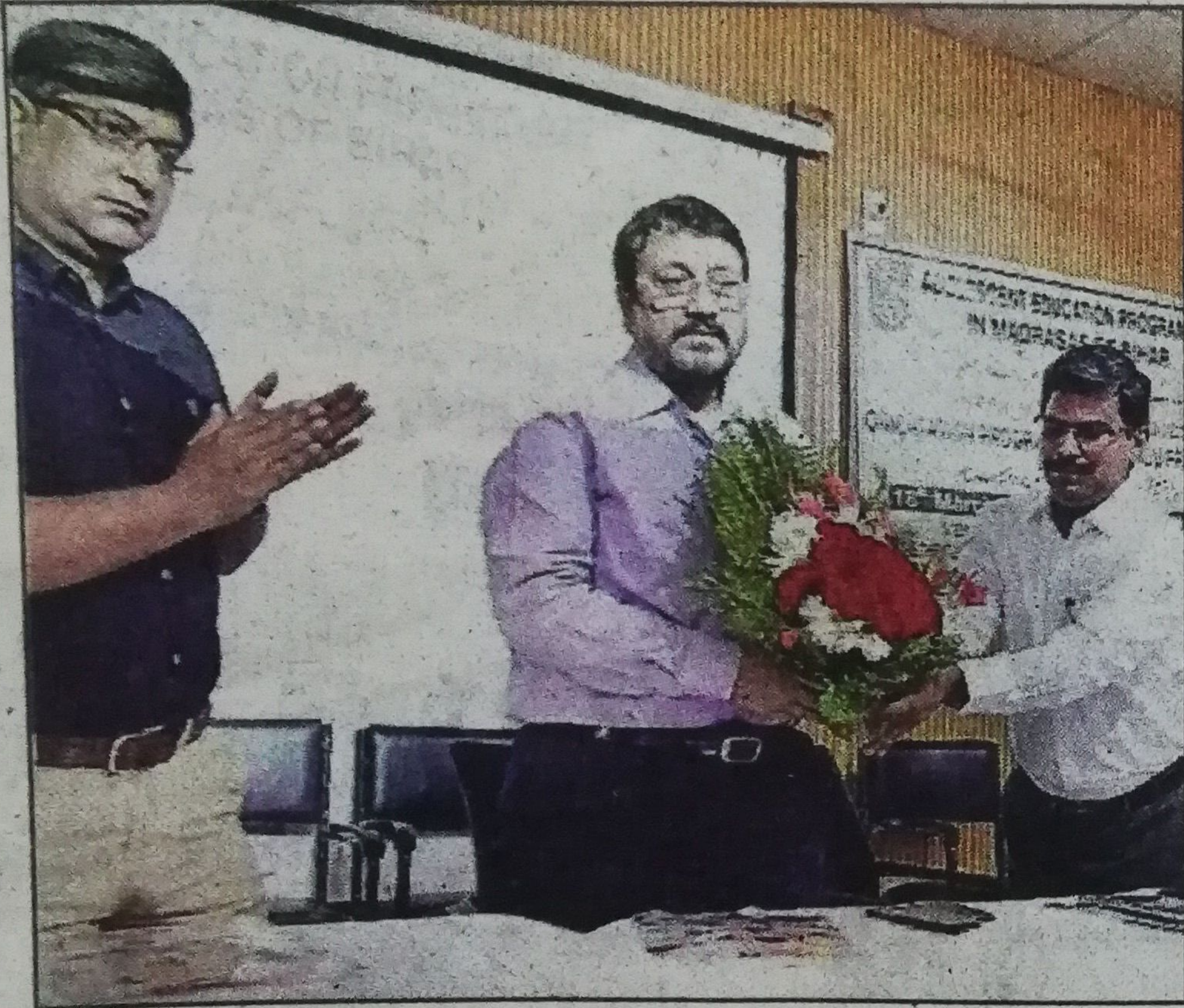
سے بطور مہمان خصوصی کے ماہر تعلیم پروفیسر محمد شاہد پریچیکٹ ڈائریکٹر اور اسلامک اسٹیڈیز کے صدر پروفیسر نعیم اختر، مولانا آزاد اردو یونیورسٹی حیدرآباد، پروفیسر اعجاز مسیح صدر، شعبہ تعلیم جامعہ ملیہ اسلامیہ دہلی، یونائیٹڈ نیشنز کے بہار چیف ڈاکٹر ندیم نور اور این سی ٹی ای کے سابق ڈائریکٹر حسن وارث مدارس اساتذہ کو کیسے وقت کے ساتھ دینی تعلیم اور جدید عصری تقاضوں کے مطابق درس و تدریس کے نظام

پورنیہ (ایس این بی)

بہار اسٹیٹ مدرسہ ایجوکیشن بورڈ کے زیر اہتمام پورنیہ کے کوہ نور میرج ہال میں ایک روزہ ورکشاپ کا انعقاد تعلیم برائے نوبالغان کے موضوع پر ہوا۔ جس میں پورنیہ اور آس پاس کے اضلاع سے مدارس ملحقہ اساتذہ بڑی تعداد میں شریک ہوئے۔ جس کی صدارت بہار اسٹیٹ مدرسہ ایجوکیشن بورڈ کے نونائب چیئر مین عبدالقیوم انصاری نے کی۔ اس موقع

مدارس کے طلبہ اب خود کفیل بنیں گے: پروفیسر ممتاز الدین

درجہ ۶ سے ۸ تک کے طلبہ کے تعلیم درمیان میں ترک کر دینے کے مسئلے کو حل کیا جائے گا، پائلٹ پروجیکٹ تیار



کٹیہار: تقریب کا ایک منظر۔۔۔ (تصویر: انقلاب)

نے کہا کہ سیمانچل کے ان دو اضلاع کٹیہار اور پورنیہ کے رزلٹ کی بنیاد پر بہار کے دوسرے ضلعوں میں بھی اس کا نفاذ کیا جائے گا۔ نہ صرف بہار اس کے بعد ملک کی دوسری ریاستوں میں بھی نافذ کیا جائے گا۔ انہوں نے کہا کہ اس کے لئے مولانا آزاد یونیورسٹی کو یہ ذمہ داری دی گئی ہے کہ کس طرح اس پروگرام کو نافذ کریں۔ اس موقع پر ڈاکٹر بختیار احمد، ڈاکٹر شفاعت، ڈاکٹر فخر الدین احمد، پروفیسر شمس، کیف الورا، چاند انصاری وغیرہ موجود تھے۔

کٹیہار (محمد مرشد عالم): یونائیٹڈ نیشنل پوپولیشن فنڈ کے تعاون سے بہار مدرسہ ایجوکیشن بورڈ پٹنہ کی قیادت میں بہار کے مدارس کے طلبہ و طالبات کی تعلیمی و تکنیکی صلاحیتوں کو پروان چڑھانے کی غرض سے ملک بھر میں پروگرام چلایا جانا ہے۔ خاص طور سے مدارس کے درجہ ۶ سے ۸ تک ڈراپ آؤٹ ہو رہا ہے۔ اس کمی کو دور کرنے کے لئے اس پروگرام کا نفاذ کرنا ہے۔ جس کا آغاز بہار کے سیمانچل علاقے سے ہوا ہے۔ پورنیہ اور کٹیہار سے پروجیکٹ پائلٹ کے طور پر شروع ہوا ہے۔ اس بات کی جانکاری آج کٹیہار میڈیکل کالج کے وائس چانسلر ڈاکٹر سید ممتاز الدین کالج کے احاطے میں ایک پریس کانفرنس کے دوران مقامی نامہ نگاروں سے خطاب کرتے ہوئے دے رہے تھے۔ انہوں نے مزید کہا کہ مدرسہ کے نصاب میں چھیڑ چھاڑ نہیں کیا جائے مگر دوسری طرح سے اسے اس طرح آگے بڑھایا جائے گا جس سے ان بچوں کے اندر روزگار اور صلاحیت پیدا ہو جائے تاکہ بچوں کے اندر حوصلہ پیدا ہو سکے اور بچوں کا ڈراپ آؤٹ رک سکے۔ انہوں نے کہا کہ اس پروگرام کے شراکت دار مولانا آزاد نیشنل اوپین یونیورسٹی بھی ہیں۔ آج یہاں مدارس کے ماسٹر ٹرینرز موجود ہیں۔ کٹیہار میں ۲۴۰ اور پورنیہ میں ۱۳۰ مدارس ہیں جن میں کٹیہار کے ہر مدرسے سے ماسٹر ٹرینرز کے طور پر دو اساتذہ کو منتخب کرنا ہے تاکہ اس کام کو حسن و خوبی انجام دیا جاسکے۔ اس موقع پر ڈاکٹر محمد شاہد

कार्यक्रम • मेडिकल कॉलेज के कार्यशाला में 25 मास्टर ट्रेनर दे रहे हैं मदरसा शिक्षकों को प्रशिक्षण तकनीकी शिक्षा देकर बच्चों का करें स्किल डेवलप, बड़े होकर कर सकेंगे वे स्वरोजगार

कुलपति ने किया कार्यशाला का उद्घाटन, हैदराबाद और दिल्ली से पहुंचे प्राध्यापक

भास्कर न्यूज | कटिहार

मदरसा के बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने, उन्हें शिक्षा के अलावा अन्य क्षेत्रों के लिए मानसिक विकास करने और रोजगार से जुड़े शिक्षा की अहमियत बताते हुए उनके वर्तमान परिवेश में परिवर्तन लाने, एक आइडियोलॉजी स्थापित करने के उद्देश्य से कटिहार मेडिकल कॉलेज में एक कार्यशाला सह प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया।

जिसमें मुख्य रूप से अलकरीम एजुकेशन विश्वविद्यालय कटिहार के सैयद मुमताज उद्दीन, यूएनएफपीए के बिहार चीफ मो. नदीम नूर सहित हैदराबाद, पटना आदि के वरिष्ठ प्राध्यापक और मौलाना आजाद नेशनल विश्वविद्यालय से जुड़े हैदराबाद से आए प्रो. शाहिद विशेष रूप से उपस्थित थे। बता दें कि यूनाइटेड नेशनल के कार्यक्रम के अन्तर्गत बिहार में मदरसा बच्चों के लिए एक महत्वाकांक्षी योजना ली गई है। इस योजना के लिए सीमांचल के 4 जिले कटिहार, पूर्णिया, किशनगंज और अररिया को चुना गया है। पहले चरण में कटिहार



कटिहार मेडिकल कॉलेज में दिया जा रहा है कार्यशाला के माध्यम से मदरसा शिक्षकों को प्रशिक्षण।

और पूर्णिया के 130 और 240 यानि कुल 371 मदरसा बच्चों को बेहतर के लिए वहां पढ़ाने वाले शिक्षकों को देश के कई हिस्से से आए मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षित कर रहे हैं। मास्टर ट्रेनरों को बताया गया कि वे मदरसा के बच्चों को स्वनियोजन के टिप्स दें ताकि वे बड़े होकर उसे अपना सके और ऐसी शिक्षा लें जिसके अंतर्गत छोटे-मोटे कारोबार जैसे फोटोग्राफी करना, सिलाई-बुनाई का काम करके आत्मनिर्भर हो सकें।

अगर मदरसा के बच्चे आर्थिक रूप से कमजोर हैं तो बड़े होकर तकनीकी शिक्षा के रूप में लग जाएं और इसी को अपने कार्य का माध्यम बनावें ताकि उन्हें बेहतर नौकरी नहीं भी मिले तो वे स्वरोजगार अपना सके।

मास्टर ट्रेनर दे रहे जानकारी : हैदराबाद, दिल्ली, पटना से आए मास्टर ट्रेनर, पूर्णिया और कटिहार के मदरसा शिक्षकों को मदरसा में पढ़ने वाले बच्चों को आइडियोलॉजी कैसे उनके शिक्षा में गुणवत्ता आए, स्किल डेवलपमेंट योजना का लाभ उन्हें कैसे मिले, शिक्षा के माध्यम से वे स्वरोजगार की दिशा में कैसे उन्मुख हो इस पर कार्यशाला में जानकारी दी जा रही है।

बड़ी संख्या में उपस्थित कटिहार, पूर्णिया के मदरसा शिक्षक और मौलाना आजाद नेशनल विश्वविद्यालय से आए प्राध्यापक उन्हें कई टिप्स दे रहे हैं ताकि मदरसा में उसी अनुपात में बच्चों को शिक्षा दी जाए। बच्चों में आत्मनिर्भरता बढ़े, संवाद की शक्ति कायम हो, स्वनियोजन की प्रेरणा मिले यह कार्यशाला या प्रशिक्षण का उद्देश्य है। इस अवसर पर यूएनएफपीए के बिहार चीफ मो. नदीमनूर ने मास्टर ट्रेनर के माध्यम से व्यवहारिक रूप से कई प्रशिक्षण दिये।



कार्यशाला में कुलपति सैयद मुमताज उद्दीन।

25 ट्रेनर को दिया गया प्रशिक्षण

इस कार्यक्रम का आरंभ करते हुए अलकरीम विश्वविद्यालय के कुलपति सैयद मुमताज ने कहा कि यह कटिहार और पूर्णिया के लिए बड़ी बात है कि यूनाइटेड नेशनल पॉपुलेशन फंड के माध्यम से पहले चरण में इन दो जिलों को चुना गया है। 25 मास्टर ट्रेनर के माध्यम से मदरसा में पढ़ाने वाले मदरसा शिक्षकों को बेहतर प्रशिक्षण दिये जा रहे हैं, जिसका लाभ वे ले सकें।

साथ ही बच्चों की समस्याओं और उनके निदान की भी जानकारी प्रशिक्षण में दिए गए हैं। कार्यक्रम का संचालन बख्तियार आलम ने किया। इस अवसर पर डॉ सफाद आलम, चांद अंसारी उपस्थित थे। इस कार्यशाला और प्रशिक्षण का लाभ पूर्णिया और कटिहार जिले के 40 हजार से उपर मदरसा में पढ़ने वाले बच्चों को लाभ मिलेगा।

महिलाओं ने क अधिकार, नहीं

रैली निकालकर महिलाओं ने



इंडखोरा में जीविका दीदियों द्वारा निकाली गई ज

भास्कर न्यूज | इंडखोरा

मतदान में वोट की भागीदारी बढ़ाने को लेकर प्रखंड जीविका परियोजना इकाई के तत्वावधान में पहल जीविका महिला संकुल स्तरीय संघ ने रायपुर पंचायत के डुमरिया मैदान से नवादा गांव तक मतदाता जागरूकता रैली निकाली। रैली का नेतृत्व संगठन अध्यक्ष रेणु ने की।

जीविका परियोजना के प्रबंधक नीरज कुमार और क्षेत्रीय समन्वयक रतन पांडे ने झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। रैली में शामिल सैकड़ों जीविका दीदियों ने जागरूकता संबंधी नारे लगाए। जीविका दीदियां हाथ में तख्तियां लिए थीं। जागरूकता रैली में शामिल दीदियां वोट हमारा है अधिकार नहीं करेंगे इसे बेकार, और

समाहरणात्

(मानव प्रबंध

आवश्यक